(H) विस्तृत वाणिज्यिक अन्नोत्पादक (Extensive Commercial Grain Farming)

यह कृषि 19वी शदी मे औद्योगिक क्रांति द्वारा लाई गए आर्थिक एवं प्राविधिक परिवर्तनो की उपज है। यह कृषि यंत्रीकृत एवं विस्तृत होती है। बड़े मे फार्मो पर कृषि के आधुनिकतम पद्धति एवं यंत्रो का प्रयोग एवं उन्नत बीज खाद का प्रयोग कर अधिक से अधिक ऊपज ली जाती है। यह क्षेत्र न्यून जनसंख्या वाला क्षेत्र है। इन क्षेत्रो में गेहूँ की औसत उपज 1700 किलोग्राम। हेक्टेयर से भी अधिक होती है जबकि डेनमार्क, नीदरलैण्ड तथा बेल्जियम में इससे तीन गुणा उपज ली जाती है।

वितरण :- इस प्रकार के कृषि USA, कनाडा पूर्व सोवियत संघ, अर्जेण्टीना मे किये जाते। यूरोप के स्टेपी मे यह सर्वाधिक विकासित। जहाँ चरनोजम प्रकार की मिट्टी पायी जाती है। उ० अमेरिका का प्रेयरी, अर्जेण्टीना का 'पम्पा' दक्षिण अफ्रीका का वेल्ड, आस्ट्रेलिया का 'डाउन्स' तथा न्युजीलैंड का 'कैण्टरबरी' मैदान इसके प्रमुख क्षेत्र है।

1. वाणिज्यिक पशुपालन एवं शस्योत्पादन (मिश्रित) व
(Commercial Livestock and crop Farmin
Mixed Farming)

मिश्रित कृषि प्रकारिकी क्षेत्र मूल रूप से विकसित देशो में पायी जाती है। यह भी आधु तकनीक पर आधारित है। इसमे निर्वाहन कृषि जैसी विशेषता पायी जाती है। इसके अन्तर्गत कृषि भूमि का मुख्यत चार भागों मे बाँटता है

(a) चारे की कृषि तथा (b) आधिवास फल एवं स

बाँकी दो भागो मे आधिक जनसंख्या दबाव होने पर खाद्यान्न फसल को प्राथमिकता जाती है। जिसका एक मे भेंड तथा दूसरे में मक्का की खेती की जाती है। यदि जनसंख्या दबाव कम होगा तो गन्ना जैसे औद्योगिक फसल होगा।

इस प्रकार की फसलों की उत्पादकता अनुकूल उपयोग का प्रयास किया जाता है। आधुनिक कृषि ० यंत्र और तकनिकी पर आधारित है। यहाँ फसल चक्र नियम का पालन होता है जिससे भूमि का संतुलन ब रहता हैं।

वितरण:- लगभग संपूर्ण यूरोप में मिश्रित कृषि होती है। उ० अमेरिका, न्यूजीलेण्ड, मध्य एवं तरवर्ती क्षेत्र टेक्सास आदि में इस कृषि पद्धति को अपनाया जाता है।

(J) वाणिज्यिक डेयरी फार्मिंग (Commercial Dairy Farming):-

यह भी एक प्रकार का व्यवसायिक कृषि है। यह श्रम एवं पूँजी पर आधारित कृषि है। इसके उत्पाद के शीघ्र नष्ट होने की समस्या रहती है। इस कारण इसका तत्काल परिष्करण होता है और दुग्ध से शीघ्र बाजार पहुँचाने की व्यवस्था की जाती है।

⟹ विश्व के तीन दुग्ध उत्पादक प्रदेश हैं :-

(I) शीतोष्ण दुग्ध उत्पादक प्रदेश फ्रांस, जर्मनी

(II) शीत - शीतोष्ण दुग्ध उत्पादक प्रदेश नार्वे, स्वीडेन, डेनमार्क, तस्मानियाँ, न्यूजीलैण्ड प्रदेश दुधारू पशुओं के लिए अनुकूल प्रदेश है।

(III) यह विश्व के महानगरीय क्षेत्र के खाद्य क्षेत्र में है। भारत की दुग्ध कृषि की सफलता का दृष्टान्त है। यह महानगरों में पर्याप्त नहीं है। यही स्थिति प्रायः सभी विकासशील देशों की है।

वितरण :-

दुग्ध कृषि वाले देशों की अर्थव्यवस्था का आधार है। जैसे न्यूजीलैण्ड, डेनमार्क स्वीडेन इत्यादि महत्वपूर्ण देश है। विश्व के 90% दुग्ध का उत्पादन एवं उपयोग इन्हीं देशों द्वारा होता है।

Scanned with CamScanner

(k) फल और सब्जी उत्पादन विशेषीकृत कृषि (Specialised Horticulture):-

यह गहन वाणिज्यिक कृषि है। इसका उत्पादन तीन प्रकार के क्षेत्रों में विकसित हुआ है :-

(i) चीन प्रकार की जलवायु :- फ्लोरिडा (ट्रक फार्मिंग मंडी है) मंचूरिया का तटवर्ती क्षेत्र तथा न्यूसाउथवेल्स का पूर्वी तटवर्ती।

(ii) भूमध्यसागरीय क्षेत्र :-

कैलीफोर्निया और द० यूरोप प्रदेश में फल और सब्जी की कृषि बहुलता से होती है। कैलीफोर्निया में यह ग्रेट लेक्स में चली जाती है। द० यूरोप से मध्यवर्ती और उतरी यूरोप मे फल-सब्जीयों को भेजा जाता है। कारण इन प्रदेशों में जाड़े की ऋतु मे ध्रुवीय हवाएँ तीव्रता से आती है जिसके कारण कृषि कार्य संभव नहीं हो पाता है।

(iii) महानगरों के चारो तरफ :-

इस कृषि भूमि के आकार छोटे-छोटे होते है और कृषक सालोभर फसल उत्पादन करना चाहते है, इसलिए फल और सब्जी की प्राथमिकता दी जाती है।

Scanned with CamScanner